भारत - मंगोलिया संबंध

भारत और मंगोलिया ने 2000 वर्ष की अवधि में इतिहास के माध्यम से अंत:क्रिया की है। 20वीं शताब्दी में एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में मंगोलिया के उद्भव के बाद दोनों देशों ने साझी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के आधार पर संबंधों का निर्माण करना जारी रखा है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान 17 मई 2015 को दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।

राजनीतिक संबंध

राजनयिक संबंधों की स्थापना : भारत और मंगोलिया के राजनयिक संबंध 24 दिसंबर, 1955 को स्थापित हुए। समाजवादी गुट के बाहर मंगोलिया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला भारत पहला देश था। भारत ने संयुक्त राष्ट्र एवं गुट निरपेक्ष आंदोलन की सदस्यता के लिए मंगोलिया का समर्थन किया। वर्ष 2015 भारत एवं मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ है।

दोनों देशों द्वारा की गई उच्च स्तरीय यात्राएं: राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने वर्ष 2011 में तथा राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने 1988 में मंगोलिया का दौरा किया; उप राष्ट्रपति डा. एस राधाकृष्णन ने 1957 में, डा. शंकर दयाल शर्मा ने 1992 में, श्री के आर नारायणन ने 1996 में और श्री कृष्णकांत ने 1999 में मंगोलिया का दौरा किया तथा लोक सभा अध्यक्ष डा. जी एस ढिल्लों ने 1974 में, डा. बलराम जाखड़ ने 1985 में, श्री शिवराज पाटिल ने 1995 में, श्री पी ए संगमा ने 1997 में, श्री जी एम सी बालयोगी ने 2001 में और श्रीमती मीरा कुमार ने 2010 में मंगोलिया का दौरा किया।

मंगोलिया की ओर भारत की महत्वपूर्ण यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : प्रेसिडियम के अध्यक्ष श्री यू त्सेंडेंबल ने 1959 में और श्री बाथमुंख ने 1989 में; राष्ट्रपति श्री पी ओचिरबाट ने 1994 में, राष्ट्रपति श्री एन बगबंडी ने 2001 में और राष्ट्रपति श्री टी एस एलबेगदोरजी ने 2009 में; स्टेट ग्रेट हुराल के अध्यक्ष श्री एन बगबंडी ने 1996 में, श्री आर गोंचीगदोरजी ने 1998 में, श्री एस तुमुर ओचिर ने 2003 में और डी डेम्बरेल ने 2010 में; प्रधानमंत्री श्री त्सेंडेंबाल ने 1973 में और इससे पहले प्रेसिडियम के अध्यक्ष के स्प में 1959, श्री एन एनखबयार ने 2004 में और इससे पहले प्रतिपक्ष के नेता के रूप में 1999 में भारत का दौरा किया।

जुलाई, 2011 में राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल की मंगोलिया की राजकीय यात्रा : भारत ने उलानबटार में स्थापित होने वाले "अटल बिहारी वाजपेयी आई टी संचार एवं आउटसोर्सिंग उत्कृष्टता केंद्र" के लिए 20 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण की सहायता प्रदान करने की पुष्टि की है। भारत राजीव गांधी निर्माण एवं कला पॉलिटेक्निक कालेज को अपग्रेड करने एवं आधुनिक बनाने तथा अटल बिहारी वाजपेयी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षा उत्कृष्टता केंद्र को अपग्रेड करने एवं आधुनिक बनाने पर भी सहमत हुआ

तथा उलानबाटार में स्थापित होने वाले संयुक्त भारत - मंगोलिया विद्यालय पर मंगोलिया के प्राधिकारियों के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की। इस यात्रा के दौरान, द्विपक्षीय रक्षा सहयोग करार, मीडिया आदान - प्रदान के लिए एक एम ओ यू तथा भारत के योजना आयोग और राष्ट्रीय विकास एवं नवाचार समिति (एन डी आई सी) के बीच सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। मंगोलिया ने विस्तारित एवं संशोधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनने के लिए भारत के लिए अपने समर्थन को दोहराया।

16 से 18 मई, 2015 तक मंगोलिया की श्री नरेन्द्र मोदी की राजकीय यात्रा : प्रधानमंत्री स्तर पर मंगोलिया की अब तक पहली यात्रा के तहत रविवार, 17 मई को संसद को संबोधन शामिल था। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत और मंगोलिया के बीच एक संयुक्त वक्तव्य के माध्यम से सामरिक साझीदारी की घोषणा की। भारत ने मंगोलिया के बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए 1 बिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की घोषणा की। जिन करारों / दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : सजायाफ्ता कैदियों के अंतरण पर करार, पशु स्वास्थ्य डेयरी के क्षेत्र में सहयोग करार, उलानबटार में साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने पर एम ओ यू, भारत - मंगोलिया संयुक्त मैत्री विद्यालय स्थापित करने के लिए एम ओ यू, परंपरागत दवा प्रणालियों के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू, 2015 - 2018 के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम, सीमा की चौकसी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के बीच सहयोग के लिए एम ओ यू और भाभाट्रान - II कैंसर थेरेपी मशीन को उपहार में देने पर एम ओ यू।

मंगोलिया के नेताओं की यात्रा : फरवरी, 1973 में मंगोलिया के प्रधानमंत्री यू सेनदेंबल की भारत यात्रा के बाद एक भारत - मंगोलिया संयुक्त घोषणा जारी की गई। इस घोषणा में द्विपक्षीय संबंधों के मार्गदर्शन के लिए सामान्य सिद्धांत शामिल थे। फरवरी, 1994 में, राष्ट्रपति ओचिरबाट की भारत यात्रा के दौरान मैत्रीपूर्ण संबंध एवं सहयोग संधि पर हस्ताक्षर किया गया।

2001 में मंगोलिया के राष्ट्रपति नत्सागिन बागाबंडी की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान एक संयुक्त घोषणा जारी की गई जिसमें द्विपक्षीय संबंधों की भावी दिशा को रेखांकित किया गया। प्रत्यर्पण, रक्षा सहयोग, सूचना प्रौद्योगिकी में सहयोग, निवेश संवर्धन एवं संरक्षण, आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता तथा सिविल एवं वाणिज्यिक मामलों के संबंध में परस्पर कानूनी सहायता से संबंधित 6 करारों पर भी इस यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। 2004 में मंगोलिया के प्रधानमंत्री एन इंखबयार ने भारत की राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। पशु स्वास्थ्य एवं डेयरी; अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग तथा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में तीन करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

मंगोलिया के राष्ट्रपति टी एस इल्बेगदोरजी ने अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में 2009 में भारत का राजकीय दौरा किया। व्यापक साझेदारी पर एक संयुक्त घोषणा जारी की गई। निम्नलिखित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए : 25 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को स्थिर करने के लिए एक अंतर सरकारी करार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में सहयोग पर करार, 2009 - 2012 के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम, सांख्यिकीय सहयोग पर एक एम ओ यू तथा परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग पर एक एम ओ यू।

द्विपक्षीय सहयोग तंत्र : भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री तथा मंगोलिया की ओर से शिक्षा एवं विज्ञान मंत्री की अध्यक्षता में भारत और मंगोलिया के बीच भारत-मंगोलिया संयुक्त सहयोग समिति (आई एम जे सी सी) है। मार्च, 2013 को आई एम जे सी सी की चौथी बैठक नई दिल्ली में हुई।

भारत और मंगोलिया रक्षा क्षेत्र में भी आपस में सहयोग करते हैं। रक्षा सहयोग के लिए एक भारत - मंगोलिया संयुक्त कार्य समूह है जिसकी हर साल बैठक होती है। इस कार्य समूह की सातवीं बैठक भारत में अगस्त, 2015 में हुई। भारत - मंगोलिया संयुक्त अभ्यास 'नोमाडिक एलीफेंट' का आयोजन हर साल होता है। भारत बहुपक्षीय अभ्यास "खान क्वेस्ट'' में नियमित रूप से भाग लेता है। भारत मंगोलिया के अधिकारियों के विभिन्न नियमित प्रशिक्षण में योगदान देता है।

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के लिए दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों अर्थात परमाणु ऊर्जा विभाग और मंगोलिया की परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बीच एक कार्य समूह का गठन किया गया है। इस कार्य समूह की दूसरी बैठक मुंबई में 10 से 12 दिसंबर, 2012 के दौरान हुई।

वाणिज्यिक, आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग

1994 में तत्कालीन वाणिज्य मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी की यात्रा के दौरान दो एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए जो एक संयुक्त व्यापार उप समिति का गठन करने तथा भारत के योजना आयोग तथा मंगोलिया के राष्ट्रीय विकास बोर्ड के बीच सहयोग के संबंध में हैं। सितंबर, 1996 में भू-विज्ञान एवं खनिज संसाधन के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। 1996 में उप राष्ट्रपति श्री के आर नारायणन की मंगोलिया यात्रा के दौरान भारत और मंगोलिया के बीच व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया गया। इस करार के तहत कस्टम ड्यूटी तथा आयात एवं निर्यात पर सभी अन्य करों के संबंध में एक - दूसरे को एम एफ एन स्टेटस प्रदान करने का प्रावधान है। 2001 में, राष्ट्रपति बागाबंडी की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने एक निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार पर हस्ताक्षर किया। मंगोलिया को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से दवाएं, खनन मशीनरी एवं आटो पार्ट्स आदि शामिल हैं। मंगोलिया से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से कच्चा ऊन शामिल है। मंगोलिया की सांख्यिकी

के अनुसार, पिछले पांच कलेंडर वर्षों के लिए भारत - मंगोलिया द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े यहां नीचे दिए गए हैं :

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

आयात / निर्यात	2010	2011	2012	2013	2014
भारत की ओर से मंगोलिया को निर्यात	16.8	45.3	54.2	34.2	12.67
मंगोलिया से भारत का आयात	0.6	1.4	6.0	0.8	3.03
कुल द्विपक्षीय व्यापार	17.4	46.7	60.2	35.0	15.70

आईटीईसी सहायता : राष्ट्रपति इल्बेगदोरजी की भारत यात्रा के दौरान भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत मंगोलिया के लिए प्रतिवर्ष 120 स्लाट आवंटित किए गए। वर्ष 2011 -12 से आई टी ई सी के सिविल प्रशिक्षण कार्यक्रम तहत स्लाटों की संख्या बढ़ाकर 150 प्रतिवर्ष कर दी गई। यह 2015-16 से बढ़कर 200 हो जाएगी।

राजीव गांधी निर्माण एवं कला पॉलिटेक्निक कालेज (आर जी पी सी पी ए) : उप राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा की 1992 में मंगोलिया यात्रा के दौरान, मंगोलिया में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस प्रस्ताव के तहत 8 क्षेत्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं की परिकल्पना है। इसके बाद यह संस्थान क्रियाशील हो गया। 2015 में व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 6 सुविधाओं को अपग्रेड किया गया है।

अटल बिहारी वाजपेयी आई सी टी उत्कृष्टता केंद्र : सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री प्रमोद महाजन की मंगोलिया यात्रा के दौरान सितंबर, 2001 में हस्ताक्षरित करार के अनुसरण में अटल बिहारी वाजपेयी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) उत्कृष्टता केंद्र (ए बी वी सी ई) तथा पांच प्रांतों में 5 सामुदायिक सूचना केंद्र (सी आई सी) स्थापित किए गए। इसे अब 20 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण के माध्यम से एक पूर्ण केंद्र में स्तरोउन्नत किया जाएगा।

सौर ऊर्जा : सेंट्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड द्वारा एक सौर ऊर्जा विद्युतीकरण परियोजना निष्पादित की गई तथा ददाल सौम में अप्रैल, 2006 को औपचारिक रूप से इसका उद्घाटन किया गया। सौर ऊर्जा पर मंगोलिया के विशेषज्ञों के प्रशिक्षण का आयोजन भारत में किया गया है।

सांस्कृतिक संबंध :

1961 में हस्ताक्षरित भारत - मंगोलिया सांस्कृतिक करार में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम (सी ई पी) को अभिशासित किया है। इस करार के तहत छात्रवृत्ति, विशेषज्ञों के आदान - प्रदान, सम्मेलनों में भागीदारी आदि के रूप में शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की परिकल्पना है। बाद में, 2003 में, 2005 में, 2009 में और 2015 में 3 साल की अवधि के लिए सी ई पी को नवीकृत किया गया। भारत महोत्सव कस उद्घाटन 07 नवंबर, 2015 को किया गया।

भारत सरकार भारत में उच्च अध्ययन करने के लिए मंगोलिया के नागरिकों को हर साल 40-50 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। इसके अलावा, हर साल केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा में हिंदी भाषा पढ़ने के लिए 2 से 4 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

जुलाई, 2002 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी की मंगोलिया यात्रा के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया है। इसने 7 वर्ष के लिए किसी स्कूल में भारतीय शिक्षकों को नियुक्त करने का प्रावधान किया। भारी संख्या में भारतीय साहित्यिक कृतियों, जिसमें पंचतंत्र, रामायण, शकुंतला, ऋतु संहार, कामसूत्र, गोदान, गबन एवं कटी पतंग शामिल हैं, तथा प्रमुख बौद्ध धर्मग्रथों को मंगोलियन भाषा में प्रकाशित किया गया है।

हिंदी फिल्में मंगोलिया में बहुत लोकप्रिय हैं। मंगोलियन में डब किए गए महाभारत सीरियल का प्रसारण उलानबाटार टीवी पर किया गया है। "पथ ऑफ कंपैंसन'' शीर्षक से एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी, "अमृता शेरगिल रिविजिटेड'' शीर्षक से एक अन्य फोटोग्राफिक प्रदर्शनी तथा निजी संकलन के आधार पर 540 भारतीय पेंटिंग की एक प्रदर्शनी मंगोलिया में लगाई गई है।

सांस्कृतिक मंडलियों का नियमित रूप से आदान - प्रदान होता है तथा भारतीय परफार्मिंग ग्रुपों के परफार्मेंस को मंगोलिया में खूब सराहा जाता है। भारत से बाल भवन तथा मंगोलिया के फ्रेंडशिप सेंटर के बीच स्कूली बच्चों के लिए एक विनिमय कार्यक्रम है।

भारतीय समुदाय

मंगोलिया में भारतीय समुदाय का आकार बहुत छोटा है तथा मंगोलिया के उत्प्रवास आंकड़ों के अनुसार उनकी संख्या दो सौ के आसपास हो सकती है। अधिकांश भारतीय या तो संगठित क्षेत्र में नौकरी कर रहे हैं या फिर अपना स्व-रोजगार कर रहे हैं, जैसे कि भारतीय रेस्टोरेंट चला रहे हैं जो मंगोलिया में विदेशियों एवं मंगोलिया के नागरिकों के बीच लोकप्रिय हैं। भारतीय मूल व्यक्तियों (पी आई ओ) की संख्या बहुत कम है। वे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में अच्छे पदों पर हैं तथा मंगोलिया में काम कर रहे हैं। थोड़ी संख्या में मंगोलिया के नागरिक भारत

से जुड़े हुए हैं जिसका माध्यम यह है कि उन्होंने या तो भारतीय नागरिकों से शादी की है या भारत में पैदा हुए हैं तथा उनका पालन - पोषण हुआ है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, उलानबटर की वेबसाइट :

http://www.eoi.gov.in/ulaanbaatar/

भारतीय दूतावास, उलानबटर का फेसबुक पृष्ठ:

https://www.facebook.com/pages/India-in-Mongolia-Embassy-of-IndiaUlaanbaatar/209956815734086?ref=hl

भारतीय दूतावास, उलानबटर का ट्विटर अकाउंट:

https://twitter.com/IndiainMongolia

*****

दिसंबर, 2015